प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

पंतनगर। 20 अक्टूबर 2020। पंतनगर विश्वविद्यालय के सेवायोजन एवं परामर्श निदेशालय एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वित्तीय सहयोग से उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत 'मशरूम उत्पादन तकनीक' विषय पर आयोजित दो-सप्ताहिक ऑनलाईन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन 19 अक्टूबर को कृषि महाविद्यालय में हुआ। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत एवं विश्व में मशरूम का विपणन एवं निर्यात की सम्भावना, विभिन्न खाद्य मशरूम की उत्पादन तकनीकी, स्पान उत्पादन, कम्पोस्ट की तैयारी, केसिंग मिक्सर, स्पानिंग, मशरूम सम्बन्धित विभिन्न बीमारी एवं कीटों आदि की रोकथाम, मशरूम का तुड़ाई उपरान्त प्रबन्धन एवं मूल्य संवर्धन, आर्थिकी एवं विपणन, मशरूम के सहकारिता आधारित फार्मिंग पद्धति, मशरूम उद्यमिता हेतु सरकारी वित्तपोषण, सब्सिडी एंव परियोजना निर्माण हेतु विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मशरूम उत्पादन एवं उद्यमिता से सम्बन्धित 24 व्याख्यान आयोजित किये गये, जिसमें पंतनगर विश्वविद्यालय के संयुक्त निदेशक, मशरूम अनुसंधान एवं विकास केन्द्र, डा. आर.पी.एस. कुशवाहा, प्राध्यापक, पादप रोग विज्ञान विभाग, डा. ए.के. तिवारी, सह-प्राध्यापक, डा. सत्य कुमार, डा. एस.के. मिश्रा एवं डा. शिल्पी रावत, कृषि अर्थशास्त्र विभाग के डा. एस.के. श्रीवास्तव एवं उद्यान विभाग के डा. ओमवीर सिंह के साथ देश के प्रमुख वैज्ञानिक निदेशक, मशरूम अनुसंधान निदेशालय, डा. वी.पी. शर्मा, डा. सतीश कुमार, डा. राकेश वैरवा, डा. सुधीर कुमार, डा. अनुपम बर, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर, डा. एस.एस. शर्मा, उडीसा, कृषि विश्वविद्यालय के डा. निरंजन चिनारा, भारतीय गेहूं व बाजरा अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक, डा. ओ.पी. अहलावत, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पालीघाट अरूणाचल प्रदेश के डा. आर.सी. सांख्यधर ने अपने-अपने विषयों पर व्याख्यान दिये।

समापन के इस अवसर पर कुलपति, डा. तेज प्रताप; अधिष्ठाता, कृषि, डा. शिवेन्द्र कश्यप एवं निदेशक, सेवायोजन एवं परामर्श, डा. आर.एस. जादौन ने सभी विद्यार्थियों को आगामी प्रशिक्षणों में अधिक से अधिक प्रतिभाग करने का आह्वान किया। इस दो-सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में 78 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम के आयोजन में समन्वयक डा. ओमवीर सिंह एवं उप-समन्वयक डा. एस.के. मिश्रा का सहयोग रहा। सभी पंजीकृत विद्यार्थियों के प्रशिक्षण उपरान्त मूल्यांकन परीक्षा एवं फीडबैक के साथ कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम समन्वयक, डा. ओमवीर सिंह ने बताया कि 'व्यावसायिक फूल उत्पादन एवं लैंडस्केपिंग' विषय पर 20 अक्टूबर से दो-साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है।